इकनॉमिक टाइम्स
Copyright © 2014 Bennett Coleman & Co. Ltd. All rights reserved
Thu, 15 Jun-17; Economic Times - Hindi - Delhi; Size : 291 sq.cm.; Page : 4

FY18 में मार्केट से ₹1.3 लाख करोड़ जुटाए जाएंगे

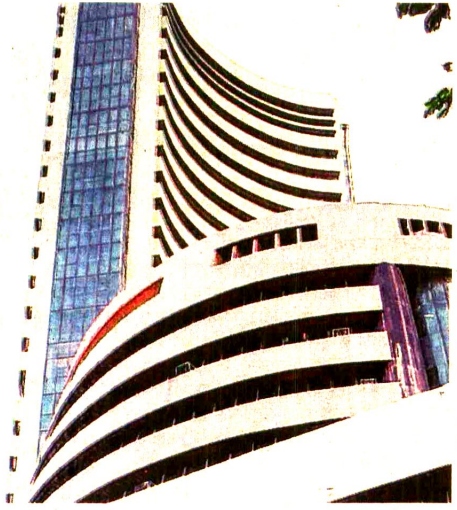

1 अप्रैल के बाद सिर्फ QIP से 6 कंपनियों ने 22,300 करोड़ रुपये की रकम जुटाई

| राजेश मस्करेनस | मुंबई |

बैंकरों का दावा है कि इस वित्त वर्ष में आईपीओ, एफपीओ और क्यूआईपी (ईसीएम) से कंपनियां 1.3 लाख करोड़ रुपये यानी 20 अरब डॉलर की रकम जुटा सकती हैं। 1 अप्रैल के बाद से ही क्यूआईपी से 6 कंपनियों ने 22,300 करोड़ रुपये की रकम जुटाई है। 1.3 लाख करोड़ में सरकारी कंपनियों के विनिवेश से मिलने वाली रकम भी शामिल है।

क्यूआईपी से 2009-10 में सबसे अधिक 40,000 करोड़ रुपये जुटाए गए थे। वहीं, आईपीओ से 2007-08 में 41,000 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड फंडिंग कंपनियों को मिली थी। वहीं, ईसीएम से अभी तक सबसे ज्यादा पैसा वित्त वर्ष 2007-08 में जुटाया गया था। तब 122 कंपनियों ने आईपीओ और एफपीओ से 67,000 करोड़ रुपये हासिल किए थे।

यह जानकारी प्राइम डेटाबेस ने दी है। बैंकरों का कहना है कि सभी पिछले रिकॉर्ड इस वित्त वर्ष में टूट जाएंगे। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2018 की पहली छमाही में जहां ज्यादा पैसा क्यूआईपी से जुटाया गया, वहीं दूसरी छमाही में आईपीओ और एफपीओ से अधिक रकम जुटाई जाएगी। इस बारे में कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी में इक्विटी कैपिटल मार्केट्स के हेड और सीनियर ईडी वी जयशंकर ने कहा, 'इस वित्त वर्ष में कई बड़े आईपीओ और क्यूआईपी आएंगे। इसलिए हमारा मानना है कि ईसीएस से इस साल 20 अरब डॉलर से अधिक फंड जुटाया जा सकता है। इसमें सरकारी कंपनियों के विनिवेश की रकम भी शामिल है।' उन्होंने यह भी बताया कि अभी भारतीय शेयर बाजार सस्ता नहीं रह गया है। इसलिए निवेशक नए इश्यू में पैसा लगाने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। इसी वजह से आईपीओ और क्यूआईपी की काफी मांग है।

पिरामल एंटरप्राइजेज, कैडिला हेल्थकेयर, फेडरल बैंक, हिंदुस्तान कॉपर, आंध्रा बैंक, जेएंडके बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील सहित कई कंपनियां क्यूआईपी से पैसा जुटाने की तैयारी कर रही हैं

पिरामल एंटरप्राइजेज, कैडिला हेल्थकेयर, फेडरल बैंक, हिंदुस्तान कॉपर, आंध्रा बैंक, जेएंडके बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील सहित कई कंपनियां क्यूआईपी से पैसा जुटाने की तैयारी कर रही हैं। एसबीआई ने हाल ही में क्यूआईपी से 15,000 करोड़ रुपये जुटाए थे। बैंक ऑफ अमेरिका मेरिल लिंच में ग्लोबल कैपिटल मार्केट्स के हेड संजीव झा ने बताया, 'कंपनियां कैपिटल एक्सपेंडिचर के लिए खुद को तैयार कर रही हैं। इसलिए क्यूआईपी या दूसरे जरियों से फंड जुटाने वाली फर्म्स की संख्या बढ़ सकती है।'

उन्होंने बताया, 'ग्लोबल और डोमेस्टिक फंड्स की तरफ से ऐसे इश्यू की काफी मांग है, लेकिन इनवेस्टर्स का ध्यान क्वॉलिटी इश्यू पर बना हुआ है। हमें लगता है कि ऐसे क्यूआईपी में लॉन्ग टर्म इनवेस्टर्स दिलचस्पी दिखा सकते हैं।' फाइनेंशियल सेक्टर की जनरल इंश्योरेंस, न्यू इंडिया एश्योरेंस, यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस, नेशनल इंश्योरेंस, ओरिएंटल इंश्योरेंस, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस, आईसीआईसीआई लोम्बार्ड, रिलायंस निपॉन सहित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, रिन्यू पावर, यूटीआई म्यूचुअल फंड और लोढा डिवेलपर्स वित्त वर्ष 2017-18 में आईपीओ लाने की तैयारी कर रही हैं। हाल ही में रिलायंस म्यूचुअल फंड ने भी आईपीओ लाने का ऐलान किया है। ब्रोकरों का कहना है कि दूसरे म्यूचुअल फंड्स भी इसके बाद लिस्टिंग के लिए आगे आ सकते हैं। केंद्र ने इस वित्त वर्ष में विनिवेश से 72,500 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है।